मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 179, मुंबई, बुधवार, 23 सितंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

गुटखा माफिया हुसैन पर हुई कार्रवाई में

कुछ तो झोल

क्राइम ब्रांच युनिट-11 ने कांदिवली गणेश नगर चारकोप में गुटखा माफिया हुसैन पर कार्रवाई की तो मिला था 5 से 6 लाख का गुटखा

24 घंटे के अंदर कांदिवली पश्चिम पुलिस स्टेशन के विजय कनडलगांवकर ने उसी हुसैन पर फिर कार्रवाई की तो मिला 19 से 20 लाख का गुटखा

संवाददाता

मुंबई। पूरे मुंबई में गुटखा माफियाओं ने आतंक मचाकर रखा है। सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार गुटखा माफियाओं ने इन गुटखों में तरह-तरह का अवैध नशीले पदार्थों को मिलाकर युवा पीढ़ी की जिंदगियों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। जिसके बारे में दै. मुंबई हलचल पिछले कई महीनों से खबर प्रकाशित करता आ रहा है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

क्या क्राइम ब्रांच युनिट-11 को बाकी गुटखा नहीं मिला था या फिर बाकी गुटखों को कहीं छिपा दिया गया था, आखिर क्या है मामला,
जल्द ही होगा उजागर

सबसे बड़े गुटखा माफिया अब्दुल्ला, जाफर व बेदू पर कब होगी कार्रवाई?

परमबीर सिंह
मुंबई पुलिस आयुक्त

मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह व मुंबई क्राइम ब्रांच के डीसीपी अकबर पठान से अपील है कि जब छोटे-छोटे गुटखा माफियों के पास से 19 से 20 लाख का गुटखा बरामद हो रहा है तो मुंबई के सबसे बड़े गुटखा माफिया वान्टेड अब्दुल्ला, जाफर व बेदू कितने लाखों करोड़ों का गुटखा मुंबई में सप्लाई करते होंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गुटखा माफिया अब्दुल्ला, जाफर व बेदू ने गुटखों में तरह-तरह के अवैध नशीले पदार्थों को मिलाकर सप्लाई करते हैं, इन गुटखा माफियों पर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाये.

इसरार

भिवंडी में हो रहे गुटखों के सप्लाई का बेताज बदशाह, इसरार भिवंडी में विमल गुटखों का सबसे बड़ा सप्लायर व माफिया है। इसरार की शखाएं पूरे महाराष्ट्र में फैली हुई हैं। इसरार युवा पीढ़ी को नशे की लत से बर्बाद कर रहा है, इस पर जल्द से जल्द कार्रवाई करके इसे गिरफ्तार किया जाये।

शफी

तमाम गुटखों का सबसे बड़ा सप्लायर, आपको बता दें कि मार्केट में एक गुटखा इक्का नाम का बिकता है यह गुटखा शफी का खुद का ब्रांड है जो पूरे महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर सप्लाई करता है।

अकरम बाबू

हम आपको अकरम बाबू के बारे में बताते हैं ये हैं ट्रांस्पोर्टर, इनकी मुंबई में ट्रांस्पोर्ट की कंपनी चलती है मगर ट्रांस्पोर्ट कंपनी सिर्फ नाम के लिए है, सिर्फ उसमें सप्लाई होता है गुटखा व जहरीले पदार्थ जो युवा पीढ़ी को बर्बाद कर रहे हैं। दिल्ली, कानपुर, गुजरात, हुबली व पुणे से इनकी गाड़ियों में गुटखा सप्लाई होता है। अकरम बाबू अपना शूटर भी पाल रखा है जो इसके गुटखा सप्लाई के लिए काम करते हैं, उनका नाम इकबाल, शौकत, संतोष, संदीप व नन्हें है।

अतहर

पूरे मुंबई में जो सबसे ज्यादा ब्रांड बिकता है उसका नाम है शिखर। अतहर शिखर गुटखा का सबसे बड़ा सप्लायर है, जो अकेले पूरे मुंबई में शिखर गुटखा को सप्लाई करके बच्चों की नस्लों को बर्बाद करके उनकी जिंदगियों में जहर घोल रहा है।

सरफराज व शदाब

ये दोनों खार से लेकर मुंबई तक पूरा गंदगी फैलाकर रखे हैं, बड़े गुटखा सप्लायर से गुटखा लेकर ये दोनों सप्लाई करते हैं

मुंबई पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह, ठाणे एसपी व मुंबई क्राइम ब्रांच के डीसीपी अकबर पठान को एक साथ मिलकर इन गुटखा माफियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करके मुंबई व ठाणे में हो रहे अवैध गुटखों की सप्लाई को बंद किया जाये, ताकी युवा पीढ़ी की जिंदगियां बर्बाद होने से बच सके।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

किसान के लिए

राज्यसभा में कृषि विधेयकों के विरोध में जो हुआ, उसकी तारीफ नहीं की जा सकती। लोकतंत्र में विरोध की एक सीमा है, विरोध जताने के तय संसदीय पैमाने हैं, लेकिन लगता है, कई बार कुछ सांसद इसके प्रति उदासीन हो जाते हैं। जिस तरह से विरोधी सांसदों ने राज्यसभा के वेल में आकर प्रदर्शन किया और उप-सभापति के साथ जो व्यवहार किया, उसे सिवाय कोरी राजनीति के कुछ नहीं कहा जा सकता। नियम पुस्तिका फाड़ने या तोड़फोड़ की कोशिश को देश ने देखा है, जिससे राज्यसभा और राज्यसभा के सदस्यों की चमक और फीकी हुई है। जिस तरह से राज्यसभा में कृषि संबंधी विधेयकों को पारित होने से रोकने की कोशिश हुई थी, उसके बाद यह तय माना जा रहा था कि कुछ न कुछ कार्रवाई होगी। राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू ने आठ सांसदों को निलंबित कर दिया है। जिन विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया है, उनमें तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन व डोला सेन, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, कांग्रेस के राजीव सातव, सैयद नासिर हुसैन, रिपुन बोरा और सीपीआई (एम) से के के रागेश व एल्मलारान करीम के नाम हैं। निलंबन की कार्रवाई होनी चाहिए थी या नहीं, इस पर विशेषज्ञों में बहस चल रही है, लेकिन जिस प्रकार से उप-सभापति के सामने दुर्व्यवहार किया गया, उसे गलत मानने वालों की संख्या आज ज्यादा है। अगर किसी विधेयक को पारित होने से रोकने के लिए कोई बल का प्रयोग करता है, कुछ फाड़ने-तोड़ने की कोशिश करता है, तो इस परंपरा को तत्काल रोकने की जरूरत है। देश के ऊपरी सदन राज्यसभा के वरिष्ठ सांसदों को अपनी गरिमा और विरोध शैली का अवश्य ध्यान रखना चाहिए। सड़क और संसद में संघर्ष का तरीका अलग होना ही चाहिए। इसमें एक पक्ष यह भी है कि संसद में इस तरह की उत्तेजना पहले भी पैदा होती रही है, और निलंबन की परंपरा को आगे बढ़ाने से पहले विचार कर लेना चाहिए। आश्वासन लिया जा सकता है कि दोषी सांसद फिर कभी ऐसा नहीं करेंगे, मगर सुलह-सफाई की कोशिश फिलहाल नहीं दिखती है, तो मामला राष्ट्रपति तक जाएगा। कृषि संबंधी विधेयक को कानून बनने और लागू होने से रोकने के लिए कुछ विपक्षी दल सक्रिय रहेंगे। ध्यान देने की बात है कि बिहार के मुख्यमंत्री ने उप-सभापति हरिवंश के साथ हुए व्यवहार को बिहार के अपमान से जोड़ दिया है। बिहार में चुनाव होने वाले हैं और संभव है, वहां यह मुद्दा बना रहे। कुल मिलाकर, इस विवाद को बढ़ाने की बजाय समाधान निकालना चाहिए। अगर किसान देश की सड़कों पर लामबंद होते हैं, तो आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य के लिहाज से भी स्थिति तनावपूर्ण हो सकती है। यह किसानों की मजबूती ही है कि कोई भी दल उनके समर्थन को गंवाना नहीं चाहेगा। यदि विपक्षी दलों में विरोध की बेचैनी है, तो सत्तारूढ़ दल में किसानों को साथ रखने की कवायद है। जो संभावनाएं दिख रही हैं, उसमें इस पूरी किसान राजनीति से किसानों को फायदा ही होता दिखता है। मंडी और न्यूनतम समर्थन मूल्य का कवच पहले से ज्यादा मजबूत होकर सामने आ सकता है। पर यह भी देखना चाहिए कि कुछ राज्य हैं, जहां मंडी व न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था नहीं है। आज हर राज्य के हर अन्नदाता की रक्षा के उपाय जरूरी हैं और यह बात जितनी सत्ता पक्ष पर लागू होती है, उतनी ही विपक्ष पर भी।

युवाओं में तेजी से बढ़ रहा है नशे का चलन

विज्ञान की नजर से देखें तो नशे की लत एक बीमारी है, जिसमें व्यक्ति का स्वयं पर नियंत्रण नहीं रहता। इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता कि ऐसे हालात में वह क्या कर गुजरे। फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमय मौत के बाद बीते तीन महीनों में हुई जांच-पड़ताल और कहीं भले नहीं पहुंची हो, लेकिन जिस एक निष्कर्ष की तरफ वह तेजी से झुकी है, वह बॉलीवुड में नशे के बढ़ते साम्राज्य का साफ संकेत देती है। हालांकि इसका एक विरोधाभास यह है कि जब फिल्मों की विषय-वस्तु के बारे में हम यह दावा करते हैं कि वह असल में समाज से प्रेरित होती है और सामाजिक वास्तविकताओं को ही दशार्ती है। ऐसे में, जबकि आज पूरी फिल्म इंडस्ट्री को नशे में लिप्त बताया जा रहा है, तब कोई उस समाज की ओर क्यों नहीं झांक रहा, जहां नशे की समस्या शायद सबसे गंभीर दौर में है।

जहां तक आम समाज में युवाओं के नशे की गिरफ्त में आने का सवाल है, तो आम तौर पर इसके लिए देश के एक समृद्ध राज्य पंजाब को कठघरे में खड़ा किया जाता है। संभव है कि इसके पीछे वहां पिछले दशकों में नशे के कारोबारियों को चोरी-छिपे मिले राजनीतिक संरक्षण और उड़ता पंजाब जैसे फिल्मी कनेक्शन की भी एक बड़ी भूमिका हो। लेकिन पंजाब से बाहर निकलकर देखें तो पता चलता है कि देश के कुछ दूसरे राज्य भी नशे की भयानक चपेट में हैं। इस नशे का संदर्भ शराब आदि प्रचलित साजोसामान से नहीं, बल्कि गांजा, हेरोइन, अफीम, चरस और रसायनों की जटिल प्रक्रियाओं से बने कई तीखे मिश्रणों से है, जिनका प्रचलन युवाओं में तेजी से बढ़ा है। खास तौर से शहरी-महानगरीय संस्कृति के विस्तार के साथ नशे के सेवन ने युवाओं में जो एक सामाजिक स्वीकृति हासिल की है, वह अमीरों से लेकर मध्यवर्गीय और गरीब तबकों में भी जोर पकड़ चुकी है। इस संबंध में पिछले साल पंजाब के फरीदकोट के एक युवा की कहानी एक नजीर के रूप में सामने आती है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए फरीदकोट के इस वीडियो में एक महिला कूड़े के ढेर में पड़े अपने बेटे के शव के पास विलाप करती दिखाई दे रही थी। वीडियो में यह भी दिख रहा था कि उस लड़के के हाथ की नसों में नशे की सिरिंज लगी हुई थी। वीडियो से यह पूरी तरह से स्पष्ट पता चल रहा था कि वह लड़का नशे का आदी था और शायद ड्रग्स की ओवरडोज की वजह से उसकी मौत हो गई।

उसी दौरान सोशल मीडिया पर प्रचारित हुए अमृतसर के एक अन्य वीडियो में एक व्यक्ति अपने बेटे की मौत का शोक मनाता दिख रहा था। बताया गया कि उसका बेटा भी नशे की गिरफ्त में था। इसमें शक नहीं कि बीते अरसे में युवा पीढ़ी को गिरफ्त में लेने वाले नशे को लेकर जो बदनामी पंजाब ने झेली है, उसका मुकाबला देश का कोई राज्य फिलहाल नहीं कर सका है। लेकिन देश के अन्य हिस्सों के अलावा राजधानी दिल्ली और एनसीआर कहलाने वाले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में भी पिछले वर्षों के दौरान ड्रग्स का कारोबार बहुत तेजी से फूला-फला है। हालत यह है कि बीते वर्षों में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र नशीले पदार्थों की तस्करी का अड्डा बन गया है। हाल के वर्षों में इस पूरे क्षेत्र में कभी यमुना किनारे खुलेआम, तो कभी गुपचुप होने वाली रेव पार्टियों में प्रतिबंधित ड्रग्स के इस्तेमाल के बारे में दावा है कि यह करीब दस गुना तक बढ़ गया है। इनमें प्रतिबंधित ड्रग्स मसलन डायजेपाम, मंड्रेक्स, एफेटेमिन, मॉड्रफन, केटामाइन, मेथमफेटामाइन, एमडीएमए, पेंटाजोकिन, और कॉडिन जैसे ड्रग्स शामिल हैं और इनकी देश के विभिन्न राज्यों ही नहीं, बल्कि विदेशों तक सप्लाई की जा रही है।

दिल्ली जैसे महानगरों में ड्रग्स के बढ़ते चलन का अंदाजा यहां अक्सर होने वाली मादक पदार्थों की बड़ी खेपों की धरपकड़ और ड्रग्स तस्करी के रैकेटों के भंडाफोड़ से होता है। पिछले साल म्यांमार से मणिपुर और असम व बिहार के रास्ते दिल्ली तक लाई गई 25 किलो हेरोइन की खेप के पकड़े जाने से एक बड़े रैकेट का खुलासा हुआ था। पुलिस ने तब यह दावा किया था कि हेरोइन की इस खेप को दिल्ली एनसीआर के विभिन्न हिस्सों के अलावा मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सप्लाई किया जाना था। एक दावा यह भी है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पिछले दो-तीन वर्षों में 10 बड़े अभियान चलाकर लगभग 2,500 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद की है और इनमें कभी नाइजीरियाई तो कभी अफगानी नागरिकों तक को गिरफ्तार किया गया है। बीते चार-पांच वर्षों में यहां ड्रग्स तस्करों की आवक और गिरफ्तारियां भी बढ़ी हैं। पुलिस बताती है कि दिल्ली (जो ड्रग्स सप्लाई का गढ़ बन गया है) में नशीले पदार्थों की सबसे ज्यादा आवक अफगानिस्तान से और उसके बाद नेपाल, पाकिस्तान, बांग्लादेश और म्यांमार के रास्ते होती है। दिल्ली एनसीआर में खपाए जाने के बाद इन ड्रग्स की सप्लाई दिल्ली के रास्ते यूरोप, ब्रिटेन और लैटिन अमेरिकी देशों तक की जाती रही है। राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में अफ्रीकी मूल के लोग बड़ी संख्या में इस कारोबार में लिप्त हैं। बीते तीन-चार वर्षों में इन लोगों के पास से बड़ी संख्या में ड्रग्स बरामद हुए हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि ड्रग्स तस्करी पर काबू पाने वाली सरकारी एजेंसियां और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल नशीले पदार्थों की धरपकड़ के साथ साथ इनमें लगे विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेती रही है, लेकिन देखने में आया है कि तमाम सख्तियों के बावजूद नशे का कारोबार और साम्राज्य पहले से कई गुना ज्यादा बड़ा हो गया है। यह खुद पुलिस और हमारी सुरक्षा एजेंसियों को देखना होगा कि आखिर क्यों बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और नेपाल से होने वाली मादक द्रव्यों की सप्लाई रुक नहीं रही है और यहां नशे के कारोबारियों का नेटवर्क खत्म होने का नाम क्यों नहीं ले रहा है।

चिनफिंग अपनी आक्रामक नीतियों के चलते वैश्विक स्तर और घरेलू मोर्चे पर संकट में घिरते जा रहे हैं

इतिहास में पहली बार पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को एक साथ कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। चीन लगभग सभी पड़ोसी देशों के साथ सीमा विवाद में उलझा हुआ है। कोरोना महामारी में उसकी संदिहास्पद भूमिका के कारण कई देशों ने उससे एक अघोषित दूरी बनानी शुरू कर दी है, जिसके कारण चीनी अर्थव्यवस्था संकट के दौर में है। इस सबके बीच चीन अपने आंतरिक मामलों में भी कई मोर्चों पर एक साथ जूझ रहा है। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग अपनी आक्रामक नीतियों के चलते न सिर्फ वैश्विक, बल्कि घरेलू मोर्चे पर भी संकट में घिरते जा रहे हैं। कई महीनों से हांगकांग में चल रहे लोकतांत्रिक आंदोलन ने वैश्विक स्तर पर चीन के लिए संकट खड़ा कर दिया है। नए सुरक्षा एवं प्रत्यर्पण कानून के खिलाफ हांगकांग में चल रहे लोकतांत्रिक आंदोलन को चीन ने बड़ी क्रूरता से दबाने का प्रयास किया। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के तहत हांगकांग एक अलग राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक व्यवस्था के साथ विकसित हुआ था। 1997 की संधि के अनुसार 2047 तक वह अपनी वर्तमान स्थिति-एक देश दो व्यवस्था-के तहत ही रहता, परंतु शी चिनफिंग के तानाशाही रवैये ने उसकी संप्रभुता पर आक्रमण कर दिया। तिब्बत एवं शिनजियांग प्रांत में रह रहे गैर-हान अल्पसंख्यकों के साथ अमानवीय व्यवहार ने भी चीन के अलोकतांत्रिक चरित्र को उजागर किया है। चीनी सरकार एक सुनियोजित तरीके से तिब्बत के बौद्ध समुदाय तथा शिनजियांग के उइगर मुसलमानों की पहचान और संस्कृति समाप्त करने की नीति पर काम कर रही है, जिस पर विश्व के कई देशों ने अपनी आपत्ति दर्ज की है। इस क्षेत्र के लोग भी चीन सरकार का विरोध कर रहे हैं। तिब्बत में उठ रही आजादी की मांग आंतरिक आक्रोश को बढ़ावा दे रही है, जिससे चीन की वन चाइना पॉलिसी पर गंभीर सवाल खड़ा हो रहा है। ताइवान के प्रति भी चीन का आक्रामक रवैया विश्व समुदाय का ध्यान खींच रहा है। इसके अलावा चीन ने अपनी भाषा नीति से अपने यहां के मंगोल समुदाय को क्षुब्ध कर दिया है। यह समुदाय अपनी भाषा के दमन के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहा है। भले ही चीन खुद को महाशक्ति के तौर पर पेश कर रहा हो, लेकिन वहां आई हालिया बाढ़ ने उसके महाशक्ति होने के दावे पर प्रश्नचिन्ह लगाया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, बुधवार
23 सितंबर, 2020

12 दिन में टूटने की कगार पर पहुंची पूनम पांडे की शादी

पति को एक्ट्रेस संग मारपीट और शोषण के आरोप में किया गया गिरफ्तार

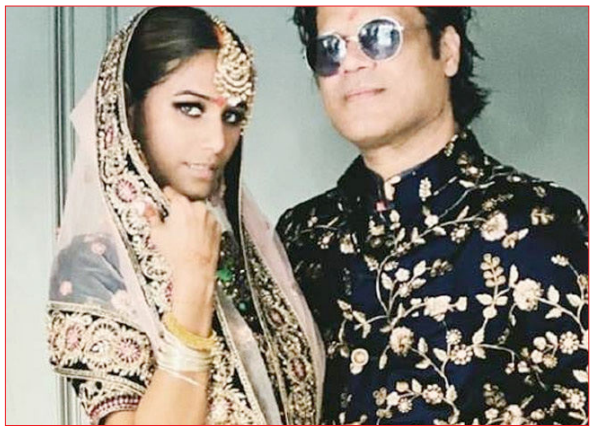

पूनम पांडे के सिर और पीठ पर चोट के निशान मिले हैं, उनका भी मेडिकल करवाया गया है

संवाददाता

मुंबई। 10 सितंबर को अपने बॉयफ्रेंड सैम बॉम्बे से चुपचाप शादी करने वाली पूनम पांडे की शादी टूटने की कगार पर पहुंच चुकी है। सोमवार देर शाम उनके पति सैम बॉम्बे को एक्ट्रेस संग मारपीट, उत्पीड़न और धमकी देने के आरोप में गोवा की कानाकोना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बता दें कि यह कपल इन दिनों गोवा में हनीमून पर है। एक्ट्रेस यहां किसी फिल्म की शूटिंग भी कर रही थीं। कानाकोना पुलिस थाने के इंस्पेक्टर तुकाराम चव्हाण के मुताबिक पूनम ने अपनी शिकायत में कहा है कि सोमवार की रात उनके पति ने उन्हें शारीरिक शोषण किया और मारपीट की। इतना ही नहीं, पूनम ने यह भी कहा कि सैम बॉम्बे ने उन्हें अंजाम भुगतने की भी धमकी दी है। इंस्पेक्टर तुकाराम ने बताया कि एक्ट्रेस के सिर और पीठ पर गंभीर चोट आई है। माना जा रहा है कि उन्हें बेल्ट जैसी किसी चीज से मारा गया है।

आज कोर्ट में किया जाएगा पेश: पूनम की शिकायत के बाद उनके पति सैम बॉम्बे को मेडिकल टेस्ट के बाद आईपीसी की धारा 354 ए, 323, 324 और 506 (2) के गिरफ्तार किया गया है। इनमें से कुछ धाराएं गैर जमानती हैं। बुधवार को उन्हें स्थानीय कोर्ट में पेश किया जाएगा।

फिल्म अभिनेत्री आशालता वाबगांवकर का सातारा में निधन, सीरियल शूट के दौरान हुईं थीं कोरोना संक्रमित

मुंबई। मराठी और हिंदी फिल्मों में काम कर चुकी एक्ट्रेस आशालता वाबगांवकर का मंगलवार को 83 साल की उम्र में निधन हो गया। वे कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद से महाराष्ट्र के सातारा में एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थीं। मंगलवार सुबह करीब 4.45 मिनट पर उन्होंने आखिरी सांस ली। परिवार के अनुसार, वे सातारा में अपने मराठी सीरियल 'आई कलुबाई' की शूटिंग करने पहुंची थीं। यहां कोरोना के लक्षण पाए जाने के बाद उनका टेस्ट करवाया गया। संक्रमण की पुष्टि और सांस लेने

में दिक्कत के बाद उन्हें आईसीयू में भर्ती करवाया गया था। कोरोना की वजह से आशालता का अंतिम संस्कार सतारा में ही किया जाएगा। 31 मई, 1941 को गोवा में पैदा हुईं आशालता एक मराठी गायिका, नाटककार और फिल्म अभिनेत्री के रूप में प्रसिद्ध थीं। उनकी स्कूलिंग मुंबई के सेंट कोलंबो हाई स्कूल, गिरगांव में हुई थी। 12वीं के बाद कुछ समय तक उन्होंने मंत्रालय में पार्ट टाइम काम भी किया। इसी दौरान उन्होंने आर्ट में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की थी। उन्होंने नाथीबाई दामोदर ठाकरे महिला विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में एमए किया था। उन्होंने ऑल इंडिया रेडियो के मुंबई केंद्र पर कुछ कोंकणी गाने भी गाए।

बॉलीवुड में आशालता का सफर: आशालता ने 100 से ज्यादा हिन्दी और मराठी फिल्मों में काम किया। बॉलीवुड में पहली बार वे बासु चटर्जी की फिल्म 'अपने पराए' में नजर आईं। इसके लिए उन्हें 'बंगाल क्रिटिक्स अवार्ड' और बेस्ट सह कलाकार का फिल्मफेयर मिला था। फिल्म 'जंजीर' में उन्होंने अमिताभ बच्चन की सौतेली मां का किरदार निभाया था। आशालता ने अंकुश, अपने पराए, आहिस्ता आहिस्ता, शौकीन, वो सात दिन, नमक हलाल और यादों की कसम समेत कई शानदार हिन्दी फिल्मों में काम किया।

अदालत ने रिया चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत छह अक्टूबर तक बढ़ाई

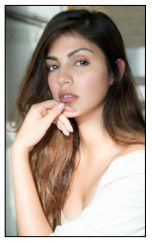

मुंबई। यहां की एक विशेष अदालत ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मादक पदार्थ कोण की जांच कर रहे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा गिरफ्तार अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती की न्यायिक हिरासत मंगलवार को छह अक्टूबर तक बढ़ा दी। विशेष सरकारी वकील अतुल सर्पांडे ने कहा कि चक्रवर्ती को विशेष न्यायाधीश जी बी गुरव के समक्ष पेश किया गया और उन्होंने अभिनेत्री की न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ा दी। उन्होंने बताया कि मामले में अन्य आरोपियों को बुधवार को अदालत में पेश किया जायेगा। विशेष अदालत ने 11 सितम्बर को चक्रवर्ती, उनके भाई शौविक चक्रवर्ती और अन्य की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। गौरतलब है कि राजपूत गत 14 जून को बांद्रा में स्थित अपने आवास पर मृत मिले थे। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) 34 वर्षीय अभिनेता को आत्महत्या के लिए कथित तौर पर उकसाने के लिए चक्रवर्ती और अन्य के खिलाफ एक मामले की अलग से जांच कर रहा है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

गुटखा माफिया हुसैन पर हुई कार्रवाई में कुछ तो झोल

दै. मुंबई हलचल की खबर को संज्ञान में लेते हुए मुंबई क्राइम ब्रांच के डीसीपी अकबर पठान व क्राइम ब्रांच युनिट-11 के सुनिल माने ने इन गुटखा माफियों के खिलाफ एक्शन लेना भी शुरू कर दिया, लेकिन सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार गुटखा माफियों पर कार्रवाई होने के बाद उन्हें कुछ समझौता करके छोड़ दिया जाता है। जिसका जीता जागता उदाहरण है सोमवार को कांदिवली गणेश नगर चारकोप में गुटखा माफिया हुसैन पर हुई कार्रवाई का। आपको बता दें कि सोमवार को कांदिवली गणेश नगर चारकोप में गुटखा माफिया हुसैन पर क्राइम ब्रांच युनिट-11 के सुनिल माने ने कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई में हुसैन के पास से तकरीबन 5 से 6 लाख का गुटखा भी बरामद किया गया था। लेकिन दूसरे दिन मंगलवार को कांदिवली पश्चिम पुलिस स्टेशन के पुलिस अधिकारी विजय कनडलगांवकर ने फिर उसी जगह उसी हुसैन पर नकेल कसते हुए कार्रवाई की तो इस कार्रवाई में दूसरे दिन भी हुसैन के पास से तकरीबन 19 से 20 लाख का गुटखा बरामद किया है। तो सवाल यही उठता है कि क्या क्राइम ब्रांच युनिट-11 ने हुसैन पर कार्रवाई के बाद समझौता करके उसे छोड़ दिया? या फिर क्राइम ब्रांच युनिट-11 को बाकी के गुटखा मिला ही नहीं या फिर कहीं छिपा दिया गया था। आखिर इतने बड़े कार्रवाई होने के बाद भी उसी हुसैन के पास से दूसरे दिन 19 से 20 लाख का गुटखा कहां से आया? बता दें कि क्राइम ब्रांच युनिट-11 और कांदिवली पश्चिम पुलिस स्टेशन आस-पास में ही है।

ट्रेन बंद रखने से क्या फायदा: उज्वला विश्वकर्मा

मुंबई। भारतीय विश्वकर्मा जनहित सेवा समिती कि राष्ट्रीय अध्यक्ष उज्वला विश्वकर्मा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से निवेदन किया है, कि कोरोना से लड़ने और लोंगो कि जान बचाने मे हमारे डाक्टरों ने काफी मेहनत की है, लेकिन अब लोंगो को यात्रा की आवश्यकता है, ताकि आम आदमी अपनी दिनचर्या को अपने आत्मनिर्भरता के तरीके से जी सके इसके लिए आवश्यक है, आवागमन के साधन सुगम बनाए उज्वला विश्वकर्मा ने आगे कहा कि रेल बंद करने से कोई फर्क पड़ सकता है, तो यह रेल मंत्रालय कि गलतफहमी है, क्योकि बस, टैक्सी चल रही है, लोंगो ने यात्रा करने के लिए दुसरा विकल्प ढूंढ लिया है, लेकिन आम जनता पीड़ित होकर यात्रा कर रही है, उज्वला विश्वकर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से अपील कि है, कि भारतीय रेल सेवा और मुंबई लोकल ट्रेन सेवा शुरू कि जाये और रात्री कर्फ्यू भी हटाया जाये ताकि लोंग अपने दिनचर्या और रोजगार के कार्यो को ठीक तरीके से कर सके उज्वला विश्वकर्मा का कहना है, कि यह बात सच है, कि हमे कोरोना से जीने कि आदत डालनी होगी हमे आत्मनिर्भरता से जीना होगा इसलिए सरकार को जनता को मजबूत करना होगा और पूरे देश मे भारत कि सभी ट्रेने तत्काल चालू कर देनी चाहिए।

डी कल्चर पर बेबाक मॉडल अभिनेत्री निशा यादव का बयान

गत दिनों से बॉलीवुड़ में जो बवाल मची हुई है मीडिया जिस तरीके से एक एक किस्से उजागर कर रहा है जिसमें काफी कुछ बड़े बॉलीवुड के लोग भी शामिल है उस ड्रग कल्चर को लेकर हमारी बात मुंबई स्थित मशहूर मॉडल अभिनेत्री निशा यादव से हुई जिसमे निशा ने बताया कि पहले मी टू चला जिसे राज कपूर ने प्रचलित किया था अभिनेत्रियो का जातीय शोषण फिर वो ट्रेंड बनता चला गया और उसका परिणाम मी टू आया अब ड्रग का सेवन करने वाला सबसे पहले बॉलीवुड में कोई व्यक्ति था तो वो संजू बाबा था। तब इतना मीडिया नही था न ही सोशल नेटवर्किंग की साइट्स और किस्से सिर्फ मुख्य टैब्लॉयड तक कि प्रिंट होते थे पर्सनल इंटरव्यू के जरिये। अब जब नए लोग बॉलीवुड में आते है तो स्ट्रेस डिप्रेशन का शिकार हो जाने से ड्रग्स की तरफ उनका झुकाव होने लगता है रिलीफ लेने के लिए पार्टियो में ये हानिकारक द्रव्य इनको दिए जाते है और फिर इनको इन व्यसनों का आदि बना दिया जाता है जिसके जरिये युवा अंदर से खत्म हो जाता है। इन पदार्थों के सेवन के बाद क्षणिक एक आत्मविश्वास पैदा हो जाता है उनमें और खुशी मिलती है। पर बाद में इसके दुष्परिणाम भी इनको भुगतने पड़ते है। खास कर अभिनेत्री निशा हमारे युवा वर्ग से यही अपील करती है मीडिया के जरिये की इन मशहूर अभिनेता अभिनेत्रियो की देखा देखी न करके ऐसे हानिकारक ड्रग्स से दूर रहे वरना जिंदगी आपको ऐसे मोड़ पर ले जाएगी जहाँ सिर्फ अंधेरा दुख और ग्लानि के सिवा कुछ भी नही है। भारतीय संस्कृति में कही भी इन भयंकर वस्तुओ का जिक्र नही है सोमरस का उल्लेख मिलता है वेदों में पर वो दारू नही है एक औषधीय अमृत पेय है जिसे पश्चिम जगत ने दारू के नाम के साथ जोड़ कर युवा को डी कल्चर (दारू ड्रग) अपनाने के लिए प्रेरित किया। अपने दिमाग का इस्तेमाल करे अपने परिवार से प्यार करे अपनी अमूल्य जिंदगी को बर्बाद न करे। हमारी निशा के साथ हुई बातचीत में यही कहकर अभिनेत्री ने भारतीय संस्कृति को नष्ट करने के लिए यह एक साजिश चल रही है। इसी पर उन्होंने अपने तर्क प्रस्तुत किये है।

ओरिजिन फिल्म लैब और दुष्यंत कॉपोरेशन ने किया अपने आगामी फिल्म प्रोजेक्ट हेतु करार

ओरिजिन फिल्म लैब और दुष्यंत कॉपोरेशन ने किया अपने आगामी फिल्म प्रोजेक्ट हेतु करार इसके अंतर्गत ओरिजिन 2021 में 5 करोड़ रुपये का निवेश दुष्यंत कॉपोरेशन के आगामी प्रोजेक्ट्स में करेगी व साथ ही विश्व स्तर की पोस्ट प्रोडक्शन सुविधा उपलब्ध हो यह सुनिश्चित करेगी फिल्म निर्माता फहीम कुरेशी के अनुसार प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक दुष्यंत सिंह न केवल अच्छे मित्र है बल्कि सिनेमा निर्माण के साथ साथ प्रचार प्रसार व फिल्म वितरण में भी एक विश्वसनीय नाम है इसीलिए ओरिजिन फिल्म लैब ने उन पर ये दांव खेला है। वहीं इस अवसर पर मौजूद फिल्म अभिनेता जैद शेख ने कहा कि प्रोडक्शन हाउस और फिल्म लैब जब एक साथ आते है तो निश्चित तौर पर किसी भी फिल्म के लिए यह बेहद खूबसूरत गठजोड़ है क्यूके बनाने के बाद सजाना यदि मिलकर हो तो निश्चित तौर पर एक शानदार तस्वीर बनती है फिर फहीम कुरैशी और दुष्यंत प्रताप सिंह दोनों ही अपने क्षेत्र के दिग्गज है। वहीं दुष्यंत प्रताप सिंह के अनुसार उनके लिए यह उनके मित्र व फिल्म निर्माता फहीम कुरेशी व ओरिजिन फिल्म लैब की तरफ से दिया गया एक शानदार उपहार है जिसे पाकर वह बेहद खुश है और उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि आने वाले समय में यह गठजोड़ और ऊंचाइयों की तरफ जाएगा। और भारतीय फिल्म जगत को वे एक बेहतरीन सिनेमा देंगे।

टाटा-मिस्त्री विवाद: चार साल की कानूनी लड़ाई के बाद टूट गया 70 साल का रिश्ता!

मुंबई। टाटा ग्रुप और साइरस मिस्त्री के बीच पिछले करीब 4 साल से कानूनी लड़ाई चल रही है। अक्टूबर 2016 में साइरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से हटा दिया गया था। जिसके बाद यह मामला अदालत तक पहुंच गया। मिस्त्री समूह की कंपनियां टाटा संस में सबसे बड़ी शेयरधारकों में से एक हैं। दरअसल, मिस्त्री परिवार की टाटा संस में 18.5 फीसदी हिस्सेदारी है। लेकिन जहां एक ओर टाटा संस में शापोरजी पालोनजी (एसपी) ग्रुप अपनी हिस्सेदारी बेचना चाहता है, वहीं टाटा ग्रुप हिस्सेदारी खरीदने के लिए तैयार है। टाटा संस में एसपी ग्रुप की हिस्सेदारी की वैल्यू करीब 1.3 लाख करोड़ रुपये की है। शापोरजी पालोनजी ग्रुप ने मंगलवार को कहा कि वह टाटा संस में हिस्सेदारी बेचकर निकलने को तैयार है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा, शापोरजी पालोनजी और टाटा के बीच 70 साल पुराना रिश्ता है। और ये साथ म्यूचुअल ट्रस्ट, भरोसा और दोस्ती पर आधारित था। वहीं टाटा ग्रुप ने मंगलवार को

सुप्रीम कोर्ट में कहा कि अगर शापोरजी पालोनजी ग्रुप को फंड की जरूरत है, और वो इसके लिए टाटा संस में अपनी हिस्सेदारी बेचना चाहता है तो टाटा ग्रुप हिस्सेदारी खरीदने के लिए तैयार है। शापोरजी पालोनजी ग्रुप अब टाटा संस में अपनी हिस्सेदारी बेचकर फंड जुटाएगा। मिस्त्री परिवार ने कहा कि टाटा संस से निकलना शेयरधारकों के हित में है। शापोरजी पालोनजी ग्रुप ने सुप्रीम कोर्ट में कहा है कि टाटा ग्रुप से अलग होना जरूरी है, क्योंकि कानूनी लड़ाई से सिर्फ आर्थिक नुकसान होगा। सूत्रों के मुताबिक टाटा संस में एसपी ग्रुप ने अपनी हिस्सेदारी की वैल्यू करीब 1.75 लाख करोड़ रुपये आंकी है। गौरतलब है कि शापोरजी पालोनजी ग्रुप की अपनी दो सब्सिडियरी कंपनियों-साइरस इन्वेस्टमेंट और स्टर्लिंग इन्वेस्टमेंट के जरिए टाटा संस में कुल 18.4 फीसदी हिस्सेदारी है। टाटा संस की बाकी हिस्सेदारी टाटा ग्रुप ने टाटा ट्रस्ट और ग्रुप की दूसरी कंपनियों के जरिए ली है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को शापोरजी पालोनजी के टाटा संस के शेयर बेचने पर 28 अक्टूबर तक की रोक लगा दी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 28 अक्टूबर तक यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया है। मामले में शीर्ष अदालत 28 अक्टूबर को अंतिम सुनवाई करेगी। शापोरजी पालोनजी ग्रुप के हिस्सेदारी गिरवी रखने पर रोक लगाने के लिए 5 सितंबर को टाटा ग्रुप ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। बता दें, मिस्त्री परिवार के सबसे अहम सदस्य साइरस मिस्त्री को साल 2012 में टाटा संस का चेयरमैन बनाया गया था, लेकिन 2016 में उन्हें इस पद से हटा दिया गया।

बॉलीवुड में मस्तानी की ड्रग्स लीला

दीपिका से जल्द हो सकती है पूछताछ!

मुंबई। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में नशे का एंगल आने के बाद बॉलीवुड में फैले ड्रग्स के जाल में बड़े-बड़े दिग्गजों के नाम फंसते जा रहे हैं। इसी कड़ी में दीपिका पादुकोण एनसीबी के रडार पर हैं। दीपिका से जुड़ी कड़ियों से एनसीबी लगातार पूछताछ कर रही है। एनसीबी ने उनकी मैनेजर करिश्मा को भी पूछताछ के लिए बुलाया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द ही दीपिका पादुकोण को भी एनसीबी समन भेज सकती है। दीपिका पादुकोण बॉलीवुड का एक चमचमाता सितारा है। देश का एक बड़ा ब्रांड भी हैं और कई युवाओं की आदर्श भी। लेकिन ड्रग्स केस में दीपिका का नाम आने से आज हर कोई हैरान हैं। जो चेहरा फिल्मों से लेकर सामाजिक मुद्दों की पहचान बन चुका है, आखिर क्या वो सच में ड्रग्स के जाल में बुरी तरह से फंसा हुआ है। सुशांत केस के

ड्रग्स कनेक्शन की आग बॉलीवुड के दिग्गज चेहरों तक पहुंच गई है। एनसीबी की ताबड़तोड़ जांच में अब दीपिका पादुकोण का नाम सामने आ चुका है। दरअसल, दीपिका के खिलाफ एक अहम सबूत एनसीबी के हाथ लगा है। मुंबई के कोको नाइट क्लब की तस्वीर सामने आई है, जिसमें दीपिका 2017 में 28 अक्टूबर रात गई थीं। इसी पार्टी को लेकर दीपिका ने करिश्मा से बात की थी। जिसमें दीपिका करिश्मा से माल के बारे में पूछ रही थीं। दीपिका पादुकोण इस वक्त गोवा में फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि एनसीबी का अगला एक्शन क्या होगा। क्या एनसीबी दीपिका को पूछताछ के लिए बुलाएगी और अगर दीपिका के ड्रग्स कनेक्शन के सबूतों में सच्चाई निकलती है, तो क्या दीपिका पादुकोण को गिरफ्तार किया जाएगा। दीपिका अब तक के इस ड्रग्स स्कैंडल का सबसे बड़ा चेहरा हैं। जिनका नाम सामने आने के बाद कई और बड़े नामों से भी पर्दा उठ सकता है। एनसीबी के पास दीपिका से पूछताछ के लिए सवालों की एक लंबी लिस्ट है। जिसका जवाब वो जानना चाहती है।

टीवी पत्रकार पर हमले की घटना के विरोध में पत्रकार संघ व विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रैली निकाल दिया ज्ञापन

हिण्डौन। हिण्डौन सदर थाना क्षेत्र में विगत दिनों कवरेज के दौरान टीवी रिपोर्टर पर हुए हमले के मामले में उपखण्ड में घटना का विरोध थमने का नाम नही ले रहा है। पिछले 17 सितम्बर की रात को टीवी रिपोर्टर शुभम तिवाडी व कैमरापर्सन पर शराब माफियाओ व अवैध मीट दुकान दार द्वारा हमला किया गया जिसके विरोध में लगातार पत्रकार संघ एवम विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी पुलिस व प्रशासन को ज्ञापन देकर पत्रकार पर हुए हमले एवम पत्रकार पर मारपीट और रुपये लूटने का झूठा मुकदमा दर्ज होने का विरोध किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को भी हिंदूवादी संगठन पदाधिकारी डेम्प रोड़पर एकत्रित होकर डीएसपी एवम एसडीओ को ज्ञापन देकर मामले की कार्यवाही सदर थाना से हटाकर निष्पक्ष रूप से डीएसपी से करवाने की मांग की गई है। वरिष्ठ पत्रकार हुकुम सिंह कश्यप के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रामपुर हलचल

मछली पालन की वजह से मोहल्ले में अनेकों प्रकार की बीमारियां पनपने का भय

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। मौहल्ला समादीन में बना तालाब जिसमें किया जाता है मछली पालन का कार्य, तालाब में डाली जा रही हैं जानवरों की आंत ओजड़िया, फैलती हैं अनेकों प्रकार की गन्दगी, न० पा० प० ने तालाब को खाली कराये जाने के दिये दिशा निर्देश, गम्भीर बीमारियों पनपने का रहता है भय नगर के मौहल्ला समादीन में सल्मानी वाली मस्जिद के सामने एक काफी लम्बा तालाब है जिसमें मछली पालन का कार्य किया जाता हैं मछलियों की देख भाल के साथ साथ उनके खाने पीने की व्यवस्था जानवरों के आंत ओजड़िया डाल कर देखरेख की जाती है तालाब के पानी में बुरी दुर्गन्ध आती हैं जिससे अनेकों प्रकार की बीमारियां पनपने का भय बना रहता है पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला व अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा ने तालाब का मौका मुआयना कर शीघ्र ही नगर पालिका द्वारा तालाब को खाली कराये जाने के आदेश जारी किये गये हैं इस मौके पर पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, जे.ई दीपक कुमार शाह, नोडल अधिकारी धनीराम सैनी, सुदेश, दिनेश, नरेश, जियाउरर्हमान आदि मुख्य रूप से उपास्थित रहे।

लालपुर पुल की मांग को लेकर सपना पूरा होने की कगार पर

टांडा (रामपुर)। काफी लंबे समय से चली आ रही लाल पुर पुल की मांग को लेकर सपना पूरा होने की कगार पर, छेत्रयी जनता में दौड़ी खुशी की लहर,पुल निर्माण कार्य कार्य चालू होने की स्थिति में। लालपुर पुल निर्माण कार्य का कार्य सपा शासन काल मे कराया जा रहा था भजपा की सरकार आने पर धन के अ अभाव के चलते पुल पर रोक लगा गई जिससे आवागमन बन्द होकर रह गया पुल की परेशानी को देखते हुए छेत्रीय जनता को अनेको प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ पुल के निर्माण कार्य के लिए राजनीतियों द्वारा धरना प्रदर्शन भी किये गये लेकिन उनको कोई सफलता न मिलती देख विधान सभा सीट पर उपचुनाव करीब आने पर पुल निर्माण की मांग ने जोर पकड़ा भाजपा के जिलाध्यक्ष अभय गुप्ता द्वारा मुख्य मंत्री केशव प्रसाद मौर्य को पत्र प्रेषित कर लालपुर कोसी नदी के निर्माण कार्य जो चालू होने की कगार पर है इससे छेत्रयी जनता में खुशी की लहर दौड़ी हुई है उपमुख्यमंत्री जी आने का सभी छेत्रवासी उनका स्वागत करते हैं।

बच्चे की इलाज के आर्थिक मदद की मांग

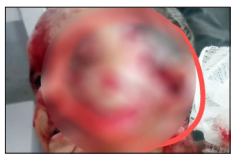

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। आम आदमी पार्टी के विधान सभा अध्यक्ष वसीम अहमद ने उपजिलाधिकारी को पत्र प्रस्तुत कर कहा हैं कि नगर के अन्दर आवारा कुत्तों द्वारा खुर्शीद अहमद की पुत्री सना परवीन उम्र 5 वर्षीय को काटकर बुरी तरह जख्मी कर दिया गया है जिसमें उन्होंने आर्थिक मदद के रूप में सरकार द्वारा उनकी मदद किये जाने की मांग की गई है उनका परिवार बेहद कमजोर है बच्ची का इलाज दिल्ली में रह कर किया जा रहा है।

मधुबनी हलचल

शिक्षक के निधन पर शोक संवेदना

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। अपार दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि प्रा. वि. ब्रहमोतरा, मुसहरीटोल, राजनगर के प्रभारी प्रधानाध्यापक एवम परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री रामनरेश सिंह का आज दिनांक 22.09.2020 को निधन हो गया। श्री सिंह का शिक्षा व शिक्षक से गहरा लगाव था। मधुबनी जिला में परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ को स्थापित करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्री सिंह का निधन शिक्षा व शिक्षक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। शोक के इस घड़ी में सम्पूर्ण शिक्षक समुदाय श्री सिंह के शोकाकुल परिवार के साथ है। भगवान दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। श्री सिंह के आकस्मिक निधन पर आज उनके आवास पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। इस श्रद्धांजलि सभा में परिवर्तन का री प्राआरंभिक शिक्षक संघ के सभी पदधारक (प्रखंड इकाई से जिला इकाई तक) सादर आमंत्रित थे। शोक संवेदना करने वालो में रंजन कुमार ठाकुर जिला संयोजक, विकास कुमार जिला अध्यक्ष, रघुनाथ यादव जिला महासचिव, कुमार पूजन जिला कोषाध्यक्ष, संतोष कुमार झा जिला सचिव, प्रमोद कुमार राय जिला प्रवक्ता, अजय कुमार भारतीय जिला उपाध्यक्ष, अनिता कुमारी जिला अध्यक्ष महिला परकोषट, मास्टर इकबाल अहमद, सुधिर कुमार यादव, देवनारायन चोधरी, सुधिलाल यादव, मनोज कुमार मंडल, औवेस अंसारी, मो अली डा अफरोज भाई, मो ऐजाज प्रमोद भाई बिसफि, मनोज पासवान, मो हैदर अली मो अखलाक अंसारी, मो सालिम ईमानी आत्म परकाश झा, मो जमील अनवार राम उदगार शर्मा जिला कार्यालय सचिव वगैरा शामिल थे।

समस्तीपुर हलचल

पंचायतों में किया लाखों की योजनाओं का शिलान्यास

समस्तीपुर। मोरवा विधानसभा क्षेत्र के जनता का मैं सदा ऋणी रहूंगा, और आजीवन सेवा करता रहूंगा। यह बातें कहीं मोरवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विद्यासागर सिंह निषाद ने। मोरवा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में आयोजित शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए। विधायक ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सुशासन की सरकार के द्वारा संपूर्ण बिहार में सुख शांति के साथ, संपूर्ण विकास की बात बतलाते हुए, मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना को आजादी के इतिहास में सर्वोत्तम योजना बताया। इसके साथ ही विधायक ने सोंगर पंचायत, इन्द्रवाड़ा पंचायत एवं बाजितपुर कर्नैल पंचायतों में सत्तर लाख से अधिक की लागत

राशि वाली योजनाओं से चार सड़कों का वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच फीता काटकर एवं नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। मौके पर समाजसेवी नवीन कुमार सिंह, अमित कुमार सिंह, जदयू प्रखंड अध्यक्ष शवेर्दु कुमार शरण, चौधरी सहनी, संजय सहनी, विजय कुमार साह, जग बंधु राय, अरविन्द राय, उमेश सहनी, गणेश सिंह, दिनेश सहनी, ठाकुर प्रसाद राय सहित गणमान्य लोग एवं सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

जनतांत्रिक लोकहित पार्टी की एक बैठक ए एच फिदा की अध्यक्षता में सरायरंजन में की गई

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। जनतांत्रिक लोकहित पार्टी की बैठक समस्तीपुर जिले के सरायरंजन मैं की गई। जिसकी अध्यक्षता आरिफ हुसैन ने किया। विधानसभा 133 के उम्मीदवार आरिफ हुसैन ने कहा समस्तीपुर विधासभा क्षेत्र की जनता अपने को ठगा हुआ महसूस कर रही है। जनता का विश्वास के साथ जनप्रतिनिधियों ने खिलवाड़ किया है। श्री हुसैन ने कहा की जनता त्रस्त हो चुकी है डबल इंजन सरकार से। भ्रष्टाचार, बलात्कार, डकैती, जैसे अपराध को रोकने में सरकार विफल है। मुझे अगर जनता का आशीर्वाद मिलता है तो मैं समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र में जल निकासी की समस्या का समाधान मेरी पहली प्राथमिकता होगी। इस अवसर सदस्ता अभियान भी चला गया। जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने सदस्यता ग्रहण किया। कार्यकारिणी को बढ़ाते हुए ज़िला अध्यक्ष, मोहम्मद आजाद, उपाध्यक्ष मोहम्मद मोजीब आलम, मीडिया प्रभारी मोहम्मद बारीक हुसैन, समस्तीपुर, बिहार प्रदेश सचिव मोहम्मद रिजवान को बनाया गया।

बुलढाणा हलचल

किसान विरोधी बिल, चिखली यूथ कांग्रेस का आंदोलन

बुलढाणा। मोदी सरकार ने किसानों पर अनुचित कृषि विधेयक पारित करने का आरोप करते हुए बुलडाणा तहेसील के चिखली कृषि उपज मंडी समिति के सामने मोदी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते किसान विरोधी बिल का युवा कांग्रेस द्वारा मोदी सरकार के खिलाफ आज सुबह 22 सितंबर को घोषणाबाजी कर विरोध किया गया। यह आंदोलन महाराष्ट्र प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष सत्यजीत तांबे के निर्देशों पर और कांग्रेस जिला अध्यक्ष और पूर्व विधायक राहुलभाऊ बोन्द्रे के मार्गदर्शन में हुआ।

ईस आंदोलन मे प्रदेश युवक कॉंग्रेस के सचिव राम डहाके, जिल्हा महासचिव किशोर सोळंकी, चिखली विधानसभा युवक कॉंग्रेस प्रभारी बाळू साळेख, प्रकाश राठोड, शहर अध्यक्ष शुभम पडघान, माजी अध्यक्ष पवन गवारे, ॲड. प्रशांत देशमुख, किसान सेलचे तालुका अध्यक्ष समाधान गिते, इसराक सौदागर संजय गिरी, बंडू कदम, मकरंद भटकर शामील थे। आंदोलन में सुरक्षित पालन किया गया।

बुलढाणा न.पा की 5 टीमों ने 55,000 रुपये का जुर्माना वसूला, नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी नजर

बुलढाणा। जिले मे पालक मंत्री डॉ. राजेंद्र शिंगणे द्वारा घोषीत जनता कर्फ्यू की पृष्ठभूमि पर बुलडाणा नगरपालिका द्वारा नियुक्त 5 टीमों ने पिछले 4 दिनों मे लॉकडाउन के नियमों को तोड़ने वालों से 55,000 रुपये का जुर्माना वसूला है।सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करना आपदा प्रबंधन अधिनियम और संक्रामक रोगों की रोकथाम अधिनियम के तहत निषिद्ध है। सार्वजनिक स्थानों पर स्थायी फेस मास्क पहनना अनिवार्य है। दुकानदारों, फलों और सब्जी विक्रेताओं के साथ-साथ आवश्यक विक्रेताओं और उपभोक्ताओं के लिए सामाजिक दूरी बनाए रखना आवश्यक है। इन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक या आपराधिक कार्रवाई करने के आदेश हैं।इसके अनुसार, नगरपालिका ने 5 टीमों को नियुक्त किया है ईन में मलकापूर रोड , जयस्तंभ चौक , डॉल्फीन परिसर पथकप्रमुख प्रकाश केसरकर , संजय अहिर, राजेंद्र मुरेकर , सुधीर दलाल , शुभम जाधव , अफजल हुसैन , प्रदीप चोपडे , गजानन इंगळे को टीम में नियुक्त किया गया। जांभरुण रोड, बसस्टँड परिसर , संगम चौक यहा पथक के प्रमुख शुभम मेश्राम , गजानन बदरखे ,मदन इंगळे , अ.नासीर अ.रज्जाक, रमीझ चौधरी , बबन राठोड , जगराम पवार , विनोद वानखेडे टीम में नियुक्त किया गया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

5 होममेड फेस मास्क, जानिए आपकी स्किन पर कौन-सा करेंगा सूट

भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई अपने-अपने काम में व्यस्त हैं। किसी के पास अपने आप को प्रोपर टाइम देने तक का समय नहीं। दिनभर बाहर धूप, धूल-मिट्टी और प्रदूषण के संमपर्क में रहने से स्किन से जुड़ी कई प्रॉबल्म देखने को मिलती है जिनसे निजात पाने के लिए हम लोग मार्कीट में मिलने वाले कई महंगे प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल तो कर लेते है लेकिन इनके कई साइड-इफैक्ट्स भी हैं। ऐसे में सबसे अच्छा ऑप्शन है घरेलू नुस्खे, जिनसे स्किन को किसी तरह का कोई नुकसान भी नहीं होता। इसलिए अपनी बिजी लाइफ में से थोड़ा सा समय निकाल कर अपनी स्किन को खास केयर दें। अगर आपके पास पार्लर जाने का समय नहीं है तो घर में मौजूद नैचुरल इंग्रीडियन्स का इस्तेमाल करें। आज हम आपको हर तरह की स्किन प्रॉबल्म और सभी टाइप की स्किन पर इस्तेमाल होने वाले कुछ नैचुरल फेस मास्क बताएंगे जो आपको स्किन से जुड़ी प्रॉबल्म से छिटकारा दिलाने में मदद करेंगे।

1. ऑयली स्किन की देखभाल

अगर आपकी स्किन ऑयली है तो अपने चेहरे की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए मुल्तानी मिट्टी से बना फेस मास्क इस्तेमाल करें। इससे ऑयली स्किन की प्रॉबल्म भी दूर रहेगी। 2 बडे चम्मच मुल्तानी मिट्टी में 1 छोटा चम्मच गुलाबजल और 2-3 बूंद नींबू रस मिलाकर फेस मास्क बनाएं। अब इस पेस्ट को चेहरे पर 10 मिनट लगाएं और फिर ठंडे पानी से धो लें।

2. ड्राई स्किन की देखभाल

सर्दियों में बहुत से लोगों को ड्राई स्किन की प्रॉबल्म रहती है। अगर आप रूखेपन से छुटकारा पाना चाहते है तो शहद से बना फेस मास्क इस्तेमाल करें। 2 बड़े चम्मच मिल्क पाऊडर में 2 बड़े चम्मच शहद और पर्याप्त मात्रा में पानी मिला लें। इस पेस्ट में पानी की जगह गुलाबजल का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद ठंड़े पानी से धो लें।

3. कॉम्बिनेशन स्किन

कॉमबिनेशन सकिन यानी आपकी स्किन ऑयली के साथ-साथ ड्राई भी रहेती है तो इसके लिए दही सबसे अच्छा ऑप्शन है। 1/2 कप दही में 1 एग व्हाइट डालें और अच्छी तरह से मिलाकर फेस मास्क तैयार करें। फिर इसे चेहरे पर 15 मिनट लगाएं और फिर फेस को अच्छे से धो लें।

4. स्किन ब्राइटनिंग मास्क

अगर आप पिग्मेंटेशन से परेशान है तो नींबू फेस मास्क लगाएं। इसको बनाने के लिए आधे नींबू के रस में आधे आलू का जूस मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर 10 मिनट कर लगाए और धो दें।

5. नॉर्मल स्किन की देखभाल

अगर आपकी स्किन नॉर्मल हैं तो खीरे से बना सिंपल फेस मास्क इस्तेमाल करें। 2 खीरे काट लें और इसे आधे कप ओट्स के साथ मिलाकर दरदरा पेस्ट तैयार करें फ्रिज में स्टोर कर इस पेस्ट को इस्तेमाल करें। इस्तेमाल करने से पहले इसमें 1 बड़ा चम्मच मिल्क क्रीम मिलाएं और 10 मिनट लगाकर धो लें।

तनाव को रखना है खुद से दूर तो पार्टनर की शर्ट आएगी काम!

भागदौड़ भरी जिंदगी और दिनों-दिन बढ़ रहे परिश्रम की वजह से आज हर व्यक्ति चिंता और तनाव में डूबा रहता है। यहीं कारण है कि धीरे-धीरे लोगों डिप्रैशन का शिकार हो रहे है। तनाव एक ऐसी बीमारी है, जिससे समय रहते बाहर न निकला जाए तो यह किसी गंभीर समस्या का रुप धारण कर लेता है। वैसे तनाव के कई कारण हो सकते है, जिसमें से मुख्य है अकेलापन। इस अकेलेपन को दूर करने के लिए पार्टनर का साथ बेहद जरूरी है। बहुत से लोग तो अपने तनाव को दूर करने के लिए दवाइयों का सहारा लेते है लेकिन अधिक सेवन से हम इनके आदि भी हो सकते है, जो हमारे लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है लेकिन स्ट्रेस को दूर करने के लिए पार्टनर का साथ बेहद काम आता है। हाल ही में हुए एक अध्ययन से पता चला है कि पार्टनर की स्मैल, उनकी शारीरिक उपस्थिति के बिना भी तनाव को कम करने में एक शक्तिशाली उपकरण हो सकती है।

शोधकताओं ने कहा कि एक अजनबी खुशबू के संपर्क में आने से तनाव हार्मोन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। कनाडा में ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के मार्लिज हॉफर ने कहा, बहुत से लोग ऐसे हैं कि जब उनके पार्टनर उनसे दूर होते हैं तो वह पार्टनर की शर्ट पहन लेते हैं या बिस्तर पर अपने पार्टनर की जगह पर सो जाते है, लेकिन पता नहीं वह ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं।

हॉफर ने कहा 'हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि पार्टनर की स्मैल से तनाव कम हो सकता है।' जर्नल ऑफ पर्सनैलिटी और सामाजिक मनोविज्ञान में शोधकताओं ने 96 विपरीत-सेक्स जोड़ों पर एक्सपेरिमेंट किया। पुरुषों को 24 घंटे तक पहनने के लिए एक साफ टी-शर्ट दी गई और उन्हें दुर्गन्ध और सुगंधित शरीर के उत्पादों, धूम्रपान और उन खाद्य पदार्थों को खाने से रोका गया, जो अपनी गंध को प्रभावित कर सकते हैं।

फिर महिलाओं का एक तनाव परीक्षण किया गया। उनसे तनाव से जुड़े कुछ सवाल के जवाब दिए गए और उनके कोर्टिसोल के स्तर को मापने के लिए लार के नमूने लिए गए। रिसर्च ने कहा कि महिलाओं में पुरूषों की तुलना में किसी भी स्मैल को सूंघने की बेहतर समझ होती है। उन्होंने पाया कि जिन महिलाओं ने अपने पार्टनर की शर्ट की स्मैल सूंघी, उनमें तनाव के पहले और बाद में काफी परिवर्तन देखने को मिला। इससे पता चला कि पार्टनर के शर्ट की स्मैल लेने से महिलाओं को स्ट्रेस लेवल कम हुआ।

ओवेरियन कैंसर के शुरूआती लक्षणों को पहचान ऐसे करें इलाज

बिगड़ते लाइफस्टाइल के साथ-साथ लोगों में गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी आज हर 5 में से 3 व्यक्ति में देखने को मिलती है जो धीरे-धीरे गंभीरता का रूप लेते जा रही है। ज्यादातर कैंसर की समस्याएं महिलाओं में देखने को मिलती है। हार्मोन असंतुलित, तनाव और खराब खान-पान के कारंण महिलाओं में ओवरियरन कैंसर का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। एक रिसर्च के अनुसार महिलाओं को इसकी जानकारी न होने के कारण वो इस खतरनाक बीमारी की चपेट में आ जाती है। इसके शुरूआती लक्षणों को पहचान कर इस बीमारी को दूर किया जा सकता है लेकिन समय पर इसका इलाज न होने पर यह गंभीर रूप भी ले सकती है। आज हम आपको इस बीमारी के कुछ लक्षण बताएंगे जिसे पहचान कर आप इस बीमारी से सुरक्षित रह सकती है।

क्या है ओवेरियन या यूटेरस कैंसर

ओवेरियन यानि यूटेरस कैंसर गर्भाशय में होने वाला कैंसर है। इसके कारण ओवरी में छोटे-छोटे सिस्ट बन जाते हैं, जोकि कैंसर का रूप ले लेते हैं। इस बीमारी से गर्भधारण में समस्या भी होती है, क्योंकि ओवरियरन कैंसर होने पर गर्भाशय और इसमें मौजूद ट्यूब्स भी नष्ट होने लगती हैं। हालांकि इसके लक्षणों को पहचान कर इसका इलाज किया जा सकता हैं।

ओवेरियन कैंसर के लक्षण

बार-बार यूरिन आना
डायरिया या कब्ज
नियमित रूप से पीरियड्स न होना
वैजाइनल ब्लीडिंग होना
गर्भधारण के दौरान समस्या
बार-बार पेट में दर्द और भारीपन
गैस और दस्त लगना

इसका उपचार

महिलाओं में ओवरियन कैंसर का उपचार उसकी स्टेज पर निर्भर करता है। कैंसर के उपचार के लिए सर्जरी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी का प्रयोग किया जाता है लेकिन यह सारे उपचार बीमारी की अवस्था पर ही निर्भर करते हैं।

इन घरेलू तरीकों से करें इलाज

1. अदरक

औषधिए गुणों से भरपूर अदरक का सेवन कई बीमारियों को दूर करता है। हाल में एक कैंसर रिसर्च एसोसिएशन ने बताया कि रोजाना अदरक पाउडर का सेवन ओवेरियन कैंसर को जड़ से खत्म कर देता है।

2. अजवायन तेल

अजवायन तेल फेफड़े, डिम्बग्रंथि, ओवेरियन और स्तन कैंसर की कोशिकाओं को मारने में मदद करता है। भोजन में इसका इस्तेमाल कैंसर के खतरे से बचाता है।

3. अलसी के बीज

अलसी के बीजों में मौजूद फाइबर कैंसर जैसी बीमारियों से लड़ने में मदद करता हैं। इसके अलावा आप इसके तेल की कुछ बूंदे दूध में डालकर पीने से भी कैंसर का खतरा कम होता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बॉलीवुड में ड्रग्स जांच से खुश रवीना टंडन

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले से संबंधित ड्रग एंगल पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने अपनी जांच के दायरे को आगे बढ़ा दिया है, जिससे अभिनेत्री रवीना टंडन काफी खुश हैं। मंगलवार को रवीना ने ट्विटर पर गुनहगारों के लिए सजा की मांग की है। अभिनेत्री ने ट्वीट करते हुए लिखा, सफाई का वक्त आ गया है। इस कदम का स्वागत करती हूं। इससे हमारी आने वाली पीढ़ी की मदद होगी। शुरूआत यहीं से करें, धीरे-धीरे सभी सेक्टर्स की ओर बढ़ें। इसे जड़ से उखाड़ फेंके। इसका उपयोग करने वाले, डीलर्स/ सप्लायर्स सभी दोषियों को सजा दें। उन बड़े लोगों को सबक सिखाएं, जो आंख बंद कर लोगों को बर्बाद कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर लोग रवीना के इस बयान का खुलकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आपको सामने आकर यह कहते देख कि अब सफाई का वक्त आ गया है, काफी अच्छा लग रहा है।

ऋचा चड्ढा को मिला अली फजल का साथ

एक्ट्रेस पायल घोष ने दो दिन पहले फिल्मेकर अनुराग कश्यप पर यौन शोषण का आरोप लगाया। उन्होंने ये भी कहा कि अनुराग ऋचा चड्ढा सहित कई एक्ट्रेस के साथ इंटिमेट हो चुके हैं। इसके बाद ऋचा ने अपने वकील के जरिए बयान जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि वह इन आरोपों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे और अपने कानूनी अधिकारों के तहत काम करेंगी। अब एक्टर अली फजल ने ऋचा का सपोर्ट किया है। ऋचा और अली रिलेशनशिप में हैं और बहुत जल्द शादी करने वाले हैं। अली फजल ने इंस्टाग्राम पर ऋचा के सपोर्ट में एक नोट लिखा है जिसमें उन्होंने काह कि वह 'सच्चाई और न्याय' में विश्वास रखते हैं। अली ने अपनी पोस्ट में लिखा, मेरे प्यार, तुम वो हो जो महिलाओं के लिए बार-बार खड़ी हुई हो, आज तुम इस अग्नि परीक्षा से गुजर रही हो। और फिर भी, तुम हमेशा की तरह मजबूत बनकर आते हो। मेरे साथी, तुम्हारा लचीलापन, तुम्हारी दयालुता और सहानुभूति कई लोगों को छू गई है, और मुझे उस वक्त को देखने का सौभाग्य मिला है, जबसे मैंने तुम्हें जाना हैं। अली ने ऋचा के लिए आग लिखा कि एक बराबरी का समाज बनाने के लिए तुमने लड़ा है, वो किसी की नफरत से नहीं टूटे हैं। तुमने अपनी कला को बेहतरी से रखा और हिम्मत दिखाई है। उन्होंने लिखा, मैं तुम पर गर्व करता हूं क्योंकि मुझे पता है कि तुम जरूरतमंदों की मदद के लिए नहीं रुकोगी। विशेष तौर पर महिलाएं, जो अपनी आवाज को कई पितृसत्ता व्यवस्था में खो गई है।

A.B.V.M. AGRAWAL JATIYA KOSH'S
G.D.JALAN COLLEGE
OF SCIENCE, COMMERCE & ARTS
Estd. : 2011
Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai 400 097.
AFFILATED TO UNIVERSITY OF MUMBAI & M.S. BOARD, PUNE
A Sister Concern of S.J.PODDAR ACADEMY (ICSE) • Linguistic MARWARI Minority College

COURSES OFFERED

JUNIOR COLLEGE
UDISE Code No. : 27230600241

F.Y.J.C. & S.Y.J.C. SCIENCE : General & Science with I.T
COLLEGE CODE : MU248SPE

F.Y.J.C. & S.Y.J.C. COMMERCE : General & Commerce with I.T
COLLEGE CODE : MU248CPE / MU248CFE

DEGREE COLLEGE

SCIENCE : CBZ (Chemistry, Botany & Zoology)
COMMERCE : Regular (Optional Subject : I.T.)
ARTS : Psychology, Economics & English
COLLEGE CODE : 527

OUR COLLEGE HELPS THE STUDENTS IN

- One-on-One Mentoring
- Improving Communication Skills
- Confidence Building
- Personality Development
- Updating their Knowledge in Latest Technology
- Successfully completing industry-Guided Certificate Programs
- Starting their own venture
- Internships and placements

Upper Govind Nagar, Malad (East), Mumbai 400 097.
022-40476030 gdjalancollege@gmail.com
www.gdjalan.edu.in